हुक्मनामा समाचार

जोधपुर, शनिवार, 28 अक्टूबर 2023 :: मूल्य 2 रु. :: पृष्ठ संख्या 8 :: आर.एन.आई.नं. RAJHIN/[illegible] :: वर्ष 20 :: अंक 37 www.hukmnamasamachar.com

मुंबई की हवा खतरनाक स्तर पर पहुंची, दिल्ली की हवा भी खतरना

नई दिल्ली/ मुंबई (एजेन्सी)। मुंबई और दिल्ली की हवा खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। मुंबई में शुक्रवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स सुबह 10 बजे 300 के पार पहुंच गया। यानी यह बहुत खराब कैटेगरी में है इसके अलावा राजधानी दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स सुबह 10 बजे 249 दर्ज किया गया। यानी राजधानी की हवा भी खराब कैटेगरी में पहुंच गई है।

मतदान दिवस याद रखना तारीख 25 नवम्बर 2023 **28** दिन शेष

विक्रम लैंडर ने उड़ाई थी 2 टन धूल

बेंगलुरु (एजेन्सी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने शुक्रवार 27 अक्टूबर को बताया कि चंद्रयान से विक्रम लैंडर जब चांद की सतह पर उतरा, तो उसने करीब 2.06 टन लूनर एपिरेगोलिथ यानी चंद्रमा की धूल को उड़ाया था। इससे वहां एक शानदार इजेक्टा हेलो यानी चमकदार आभामंडल बन गया।

साहित्य अकादेमी और राजस्थानी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में

कालजयी कवि रेवतदान चारण : जन्म शताब्दी राष्ट्रीय संगोष्ठी 4 व 5 नवम्बर को

हुक्मनामा समाचार

जोधपुर। राजस्थानी भाषा के ख्यातनाम कालजयी कवि रेवतदान चारण की जन्म शताब्दी पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग एवं साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राजस्थानी राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आगामी 04 - 05 नवम्बर को विश्वविद्यालय के केन्द्रीय परिसर स्थित बृहस्पति सभागार में आयोजित किया जायेगा।

संगोष्ठी संयोजक एवं राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने बताया कि दो दिवसीय राजस्थानी राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह ज.ना.व्यास. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) के.एल. श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य एवं साहित्य अकादेमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक - ख्यातनाम कवि आलोचक प्रोफेसर (डॉ.) अर्जुनदेव चारण की अध्यक्षता में सम्पन्न होगा। इस अवसर पर प्रख्यात कवि-कथाकार मधु आचार्य 'आशावादी' विशिष्ट अतिथि एवं साहित्य अकादेमी सचिव के. श्रीनिवासराव स्वागताध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन सत्र में प्रख्यात राजस्थानी रचनाकार डॉ. सोहनदान चारण द्वारा सम्पादित पुस्तक 'रेवतदान चारण री टाळवीं कवितावां' का लोकार्पण किया जायेगा।

चार साहित्यिक सत्र : डॉ.राजपुरोहित ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी उदघाटन एवं समापन सत्र के अलावा चार साहित्यिक सत्र होंगे जिसमें राजस्थानी के प्रतिष्ठित लेखक भंवरसिंह सामौर चूरू, नंद भारद्वाज जयपुर, डॉ.मंगत बादल रायसिंहनगर एवं डॉ. मदन सैनी श्रीडूंगरगढ अध्यक्षता करेंगे । इन साहित्यिक सत्रों में कालजयी कवि रेवतदान चारण की काव्य - साधना के विविध विषयों के अंतर्गत डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित - रेवतदान चारण रै काव्य में प्रकृति अर परयावरण, डॉ.धनंजया अमरावत - रेवतदान चारण री व्यक्तित्व = अेक दीठ, डॉ.इन्द्रदान चारण- रेवतदान चारण रै काव्य में सामाजिक सरोकार, डॉ.राजेन्द्रसिंह बारहठ - रेवतदान चारण रै काव्य मांय भासा री प्रतिबद्धता, हरीश बी.शर्मा - रेवतदान चारण रै काव्य में राजनीतिक जुगबोध, डॉ.गीता सामौर - रेवतदान चारण रै काव्य री छंद-पख = अेक दीठ, डॉ.गिरधरदान रतनू - रेवतदान चारण रै काव्य में लोक चेतना, डॉ.आशाराम भार्गव - रेवतदान चारण रै काव्य री वरतमान में प्रासंगिकता, डॉ.रामरतन लटियाल - रेवतदान चारण रै काव्य में जथारथ-बोध, कृष्ण कुमार - 'आशु' - रेवतदान चारण री आधुनिक राजस्थानी कविता में योगदान, डॉ. मदन गोपाल लढ्ढा - रेवतदान चारण रै काव्य में जथारथ-बोध एवं डॉ.गौतम अरोड़ा - रेवतदान चारण रै काव्य री भासा-सैली = अेक दीठ विषय पर आलोचनात्मक शोध आलेख प्रस्तुत करेंगे।

समापन समारोह : राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह राजस्थानी भाषा - साहित्य के ख्यातनाम विद्वान प्रोफेसर (डॉ.) कल्याणसिंह शेखावत के मुख्य आतिथ्य एवं प्रोफेसर (डॉ.) सोहनदान चारण की अध्यक्षता में 5 नवम्बर को दोपहर 3 बजे होगा। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शहर के अनेक ख्यातनाम रचनाकार, विश्वविद्यालय शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भाग लेंगे।